भारत - सऊदी द्विपक्षीय संबंध

भारत और सऊदी अरब के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो सदियों पुराने आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रिश्तों को दर्शाते हैं। 1947 में, राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद दोनों देशों की ओर से उच्च स्तर पर यात्राएं हुईं। शाह सौद ने 1955 में भारत का दौरा किया तथा प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1956 में सऊदी किंगडम का दौरा किया। 1982 में, प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की सऊदी अरब की यात्रा से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए। हाल के वर्षों में, वर्ष 2006 में शाह अब्दुल्लाह की भारत के ऐतिहासिक यात्रा के दौरान 'दिल्ली घोषणा' पर हस्ताक्षर किया गया जिसने द्विपक्षीय संबंध को एक नई गति प्रदान की। इस यात्रा ने आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा प्रदान की। 2010 में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा सऊदी अरब की पारस्परिक यात्रा से द्विपक्षीय भागीदारी का स्तर ऊपर उठकर "सामरिक साझेदारी के रूप में परिणत हुआ तथा इस यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित रियाद घोषणा में राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा एवं रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का उल्लेख किया गया। फरवरी, 2014 में, सऊदी अरब किंगडम के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री क्राउन प्रिंस सलमान बिन अब्दुल्लाजिज अल-सौद (वर्तमान सम्राट) की भारत यात्रा के दौरान एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। नवंबर 2015 में अंटाल्या, तुर्की में जी20 शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय हित के क्षेत्रों पर चर्चा की।

द्विपक्षीय यात्राएं :
अनुबंध-1 देखें

द्विपक्षीय करार / एम ओ यू
जिन द्विपक्षीय करारों एवं एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए हैं उनकी सूची यहां नीचे दी गई है:

1. साह अब्दुल्लाह की 2006 में भारत यात्रा के दौरान दिल्ली घोषणा पर हस्ताक्षर; इसने द्विपक्षीय सहयोग के लिए रोडमैप निर्धारित किया।
2. 2010 में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की रियाद यात्रा के दौरान रियाद घोषणा पर हस्ताक्षर। इससे अंत:क्रिया का स्तर राजनीतिक, आर्थिक, सुरक्षा एवं रक्षा के क्षेत्रों में सामरिक साझेदारी के स्तर पर पहुंच गया।
3. विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एम ओ यू।
4. कांउसिल आफ सऊदी चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (सी एस सी सी आई) तथा

फेडरेशन आफ इंडियन चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (फिक्की) के बीच संयुक्त व्यवसाय परिषद की स्थापना के लिए एम ओ यू।

5. द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार (बी आई पी पी ए)
6. दोहरे कराधान के परिहार तथा कर अपवंचन की रोकथाम के लिए करार (डी टी ए ए)।
7. अपराध से लड़ने के लिए एम ओ यू
8. युवा एवं खेल के क्षेत्र में करार
9. भारत के मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा सऊदी अरब किंगडम के उच्च शिक्षा मंत्रालय के बीच वैज्ञानिक एवं शैक्षिक सहयोग के लिए एम ओ यू
10. प्रत्यर्पण संधि
11. संजायाफ्ता व्यक्तियों के हस्तांतरण के लिए करार
12. बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण प्रयोग में सहयोग के लिए एम ओ यू
13. वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग के लिए एम ओ यू
14. सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा में सहयोग के लिए सेंटर फार डवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक) तथा किंग अब्दुल्लाजिज सिटी फार साइंस एंड टेक्नालॉजी (के ए सी एस टी) के बीच एम ओ यू
15. सऊदी प्रेस एजेंसी (एस पी ए) तथा प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पी टी आई) के बीच समाचार सहयोग के लिए करार
16. सांस्कृतिक सहयोग के लिए एम ओ यू
17. घरेलू सेवा मजदूरों की भर्ती के लिए श्रम सहयोग पर करार
18. रक्षा सहयोग के लिए एम ओ यू
19. सऊदी अरब किंगडम के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री महामहिम क्राउन प्रिंस सलमान बिन अब्दुल्लाजिज अल-सौद की फरवरी, 2014 के दौरान भारत यात्रा के समय जारी किया गया संयुक्त वक्तव्य।

आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंध : आज सऊदी अरब हमारा चौथा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है क्योंकि हम कच्चे तेल की अपनी आवश्यकता का लगभग 19 प्रतिशत सऊदी अरब से आयात करते हैं। 2014-15 के दौरान हमारा द्विपक्षीय व्यापार 39.3 बिलियन अमरीकी डालर था जो जून 2014 से तेल की कीमतों में भारी गिरावट के कारण 2013-14 के 48.62 बिलियन अमरीकी डालर के व्यापार की तुलना में 19.24 प्रतिशत कम है। इस अवधि के दौरान सऊदी अरब से हमारे आयात का मूल्य 28.1 बिलियन अमरीकी डालर था जो पिछले वर्ष की तुलना में 22.79 प्रतिशत कम है, जबकि सऊदी अरब को हमारे निर्यात का मूल्य 11.2 बिलियन अमरीकी डालर था जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.65

प्रतिशत कम है। सऊदी अरब भारतीय निर्यात के लिए विश्व में पांचवा सबसे बड़ा बाजार है तथा यह भारत के वैश्विक निर्यात के 3.6 प्रतिशत से अधिक का डेस्टिनेशन है। दूसरी ओर, सऊदी अरब भारत के वैश्विक आयात के 6.3 प्रतिशत का स्रोत है। 2014 के डाटा के अनुसार, सऊदी अरब के लिए भारत उसके निर्यात के लिए पांचवां सबसे बड़ा बाजार है तथा सऊदी अरब के कुल वैश्विक निर्यात में इसका शेयर 8.87 प्रतिशत है। सऊदी अरब द्वारा आयात की दृष्टि से भारत सातवें स्थान पर है तथा सऊदी अरब के कुल आयात के लगभग 3.61 प्रतिशत का स्रोत है 11वीं जे सी एम के लिए समीक्षा बैठक 29 दिसंबर 2015 को रियाद में हुई थी।

भारत द्वारा कच्चे तेल का आयात सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय व्यापार का एक प्रमुख घटक है तथा भारत के लिए यह कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की आवश्यकता के लगभग पांचवें भाग को पूरा करता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 27 से 29 अक्टूबर, 2014 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब किंगडम के पेट्रोलियम एवं खनिज संसाधन उप मंत्री महामहिम प्रिंस अब्दुल्लाजिज बिन सलमान बिन अब्दुल्लाजिज के साथ दूसरी द्विपक्षीय ऊर्जा चर्चा की। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने सऊदी अरब के पेट्रोलियम एवं खनिज संसाधन मंत्री इंजीनियर अली बिन इब्राहिम अल-नैमी के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की तथा परस्पर सहयोग के मामलों पर चर्चा की गई। उनके साथ आई ओ सी, एच पी सी एल एवं गेल के अध्यक्ष भी गए थे।

भारत सऊदी व्यापार : (मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष (अप्रैल - मार्च)	सऊदी अरब से आयात	सऊदी अरब को निर्यात	कुल व्यापार	द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि (प्रतिशत में)	भारत के आयात में वृद्धि (प्रतिशत में)	भारत के निर्यात में वृद्धि (प्रतिशत में)
2010-2011	20,385.28	4,684.40	25,069.68	19.35	19.23	19.90
2011-2012	31,817.70	5,683.29	37,500.99	45.59	56.08	21.32
2012-2013	33,998.11	9,785.84	43,783.95	16.75	6.85	72.18
2013-2014	36,403.65	12,218.95	48,622.60	11.05	7.08	24.86
2014-2015	28,107.56	11,161.43	39,268.99	-19.24	-22.79	-8.65

वर्तमान रुझान (अप्रैल - नवंबर)

अवधि (अप्रैल - नवंबर)	2014-15	2013-14	वृद्धि प्रतिशत
आयात	14,769.30	21,194.17	-30.31
निर्यात	4,571.31	8,461.83	-45.98

कुल व्यापार	19,340.61	29,656.00	-34.78

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार (www.dgft.gov.in)

निवेश : सऊदी अरब सामान्य निवेश प्राधिकरण (एस ए जी आई ए) के अनुसार इसने वर्ष 2015 तक संयुक्त उद्यम / 100 प्रतिशत स्वामित्व वाली संस्थाओं के लिए भारतीय कंपनियों को 426 लाइसेंस जारी किया है, जिससे सऊदी अरब में कुल निवेश के 1.6 बिलियन अमरीकी डालर पर पहुंचने की संभावना है। आज तक की स्थिति के अनुसार निवेश के वास्तविक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। ये लाइसेंस विविध क्षेत्रों जैसे कि प्रबंध एवं परामर्शी सेवाएं, निर्माण परियोजनाएं, दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल आदि में परियोजनाओं के लिए हैं। इसके अलावा, अनेक भारतीय कंपनियों ने सऊदी अरब की कंपनियों के साथ साझेदारी स्थापित की है तथा डिजाइनिंग, परामर्श, वित्तीय सेवा तथा साफ्टवेयर विकास के क्षेत्रों में सऊदी अरब में काम कर रही हैं। दूसरी ओर, सऊदी अरब भारत के 47वां सबसे बड़ा निवेशक है तथा अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2015 तक इसका कुल निवेश 58.83 मिलियन अमरीकी डालर है। इसके अतिरिक्त सऊदी पेट्रोकेमिकल ज्वाइंट एस ए बी आई सी ने नवंबर 2013 में 100 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक निवेश के साथ बंगलौर में अपना अनुसंधान एवं विकास केन्द्र स्थापित किया है।

सांस्कृतिक संबंध : शहनाई एवं कव्वाली टोली से युक्त आई सी सी आर से एक सांस्कृतिक मंडली ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर 25 से 29 जनवरी, 2012 के दौरान जेद्दाह एवं रियाद में अपनी कला का प्रदर्शन किया। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) के क्षेत्र में सहयोग का सुदृढ़ करने तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच सूझ-बूझ एवं मैत्री को बढ़ावा देने से जुड़े प्रयासों में वृद्धि करने के लिए सऊदी अरब के युवाओं के एक 45 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 22 मार्च, 2012 से भारत की 10 दिवसीय यात्रा की। सऊदी अरब के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से रियाद में आयोजित 'भारतीय सांस्कृतिक सप्ताह' में भाग लेने के लिए 3 से 7 नवंबर, 2012 के दौरान एक 54 सदस्यीय सांस्कृतिक शिष्टमंडल ने सऊदी अरब का दौरा किया। भारत सरकार में पर्यटन सचिव श्री परवेज दीवान के नेतृत्व में राज्य पर्यटन अधिकारियों एवं प्राइवेट स्कूल ऑपरेटरों के एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने जेद्दाह, रियाद और दम्मम में क्रमश: 19, 21 और 22 मई, 2013 को 'रोड शो' में भाग लेने के लिए सऊदी अरब का दौरा किया।

सऊदी अरब में भारतीय समुदाय : सऊदी अरब में 2.96 मिलियन से अधिक भारतीय समुदाय सऊदी अरब में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है तथा मेहनती स्वभाव, अनुशासन, कानून का

अनुपालन तथा शांति प्रेमी स्वभाव की वजह से यह सबसे अधिक मनपंसद समुदाय है। सऊदी अरब के विकास में भारतीय समुदाय द्वारा जो योगदान दिया गया है उसे खूब स्वीकार किया जाता है। अप्रैल, 2013 में, महामहिम शाह अब्दुल्लाह ने एक ग्रेस पीरिएड की घोषणा की तथा अपने स्टेटस को सही करने, नई नौकरी प्राप्त करने या ग्रेस पीरिएड के अंत तक अर्थात 3 नवंबर, 2013 तक दंड की कार्रवाई का सामना किए बगैर देश छोड़ने के लिए प्रवासियों को ठहरने की अनुमति दी। ग्रेस पीरिएड के दौरान प्रदान की गई रियायतों का 1.4 मिलियन (14 लाख) से अधिक भारतीयों ने लाभ उठाया। हज यात्रा द्विपक्षीय संबंधों का एक अन्य महत्वपूर्ण घटक है। हज 2015 के दौरान, हज करने के लिए लगभग 1,36,000 भारतीय सऊदी अरब गए। तकरीबन 300,000 भारतीय हर साल उमराह करते हैं।

उपयोगी संसाधन :

मिशन की वेबसाइट : www.indianembassy.org.sa

मिशन का फेसबुक पेज : https://www.facebook.com/IndiaInSaudiArabia

ट्विटर पर मिशन twitter.com/IndianEmbRiyadh

*****

(01 जनवरी, 2016)

अनुबंध I

हाल की द्विपक्षीय यात्राएं

(क) सऊदी अरब की ओर से यात्राएं

1. शाह सलमान बिन अब्दुल्लाजिज की भारत की यात्रा (2006) : जनवरी, 2006 में गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में शाह सलमान बिन अब्दुल्लाजिज की भारत यात्रा से भारत - सऊदी अरब द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू हुआ। शाह अब्दुल्लाह ने भारत को अपने द्वितीय गृह के रूप में बताया तथा दिल्ली घोषणा पर हस्ताक्षर किया, जो सऊदी अरब के शाह द्वारा हस्ताक्षरित किया गया अब तक का ऐसा पहला द्विपक्षीय दस्तावेज है जो द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक व्यापक रोड मैप प्रदान करता है।
2. शाह की यात्रा के अनुवर्तन के रूप में सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस सौद अल फैजल ने फरवरी, 2006 में भारत का दौरा किया और फिर इसके बाद दो बार फरवरी, 2008 और दिसंबर, 2008 में भारत का दौरा किया। । 2006 से 2008 के दौरान, सऊदी अरब की ओर से अन्य मंत्री स्तरीय यात्राओं के तहत न्याय मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा पेट्रोलियम मंत्री की यात्राएं शामिल हैं
3. एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल के साथ रियाद के राज्यपाल प्रिंस सलमान बिन अब्दुल्लाजिज अल सौद ने अप्रैल, 2010 में भारत का राजकीय दौरा किया।
4. मक्का की पवित्र मस्जिद के शाही इमाम शेख अब्दुल रहमान अल-सौदियास ने मार्च, 2011 में भारत का 5 दिवसीय दौरा किया। सौदियास मक्का के पहले इमाम हैं जिन्होंने भारत का दौरा किया।
5. सऊदी अरब की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव प्रिंस बडांर बिन सुल्तान ने सऊदी अरब के शाह के विशेष दूत के रूप में 28 मार्च, 2011 को भारत का दौरा किया तथा भारत के प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से मुलाकात की।
6. सऊदी अरब के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री डा. तौफिक अल-रबियाह के नेतृत्व में एक 76 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 9वीं भारत - सऊदी अरब संयुक्त आयोग बैठक के लिए 4 से 6 जनवरी, 2012 के दौरान नई दिल्ली का दौरा किया।
7. सऊदी अरब के सहायक पेट्रोलियम एवं खनिज संसाधन मंत्री अब्दुल अजीज बिन सलमान ने भारत का दौरा किया तथा 24 फरवरी, 2012 को भारत के पेट्रोलियम एवं

प्राकृतिक गैस मंत्री श्री एस जयपाल रेड्डी के साथ बैठक की।

8. शौरा परिषद के अध्यक्ष डा. अब्दुल्ला बिन मोहम्मद बिन इब्राहिम अल-शेख के नेतृत्व में सऊदी अरब के एक संसदीय शिष्टमंडल ने 7 से 10 मई, 2012 के दौरान भारत का दौरा तथा उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष एवं विदेश मंत्री के साथ बैठकें की।
9. रोजगार एवं विकास शीर्षक के तहत विश्व बैंक द्वारा आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के श्रम मंत्री अदेल फकिह ने भारत का दौरा किया तथा अतिरिक्त समय के दौरान भारत के प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि से मुलाकात की।
10. सऊदी अरब के अंतर्राष्ट्रीय श्रम मंत्री डा. अहमद बिन फैहद हल फुहैद ने भारत और सऊदी अरब के बीच श्रम से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त कार्य समूह की दो दिवसीय बैठक (30 - 31 मई, 2013) में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया तथा अतिरिक्त समय में माननीय प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि से मुलाकात की।
11. सऊदी अरब के कानून एवं विनियम तथा विदेश व्यापार उप मंत्री डा. फहद अबुहिमद ने नई दिल्ली में 5 से 7 नवबर, 2013 के दौरान आयोजित नौवीं संयुक्त समिति की दूसरी समीक्षा बैठक के लिए भारत का दौरा किया।
12. घरेलू सेवा कामगार भर्ती के लिए श्रम सहयोग के लिए करार पर हस्ताक्षर करने के लिए सऊदी अरब के श्रम मंत्री इंजीनियर अदेल बिन मुहम्मद फकीह ने 1 से 4 जनवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया तथा अतिरिक्त समय में उप राष्ट्रपति एवं विदेश मंत्री से मुलाकात की।
13. सऊदी अरब किंगडम के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री महामहिम क्राउन प्रिंस सलमान बिन अब्दुल्लाजिज अल-सौद ने 26 से 28 फरवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया तथा राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से मुलाकात की।
14. चौथे भारत - अरब साझेदारी सम्मेलन में भाग लेने के लिए सऊदी अरब के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री डा. तौफीक अल रबिया के नेतृत्व में सऊदी शिष्टमंडल ने 26 और 27 नवंबर 2015 को नई दिल्ली का दौरा किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए डा. तौफीक ने कहा कि "भारत सऊदी अरब के सबसे बड़े व्यापार साझेदारों में से एक है। भारत और अरब जगत के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास है।" अतिरिक्त समय में डा. तौफीक ने वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन से भी मुलाकात की।
15. सऊदी अरब के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री डा. तौफीक अल रबिया ने संयुक्त आयोग की 11वीं बैठक के लिए 29 मई 2015 को भारत का दौरा किया। अतिरिक्त समय में

डा. रबिया ने विदेश मंत्री तथा सूचना एवं संचार मंत्री से अलग से भी मुलाकात की तथा द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

(ख) भारत की ओर से यात्राएं

16. तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का 2010 में सऊदी अरब का दौरा : तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने 27 फरवरी से 1 मार्च, 2010 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा शाह अब्दुल्लाह, सऊदी अरब के विदेश मंत्री सौद अल फैसल, वाणिज्य मंत्री जैनल अलीरेजा तथा पेट्रोलियम एवं खनिज संसाधन मंत्री अली अल नैमी से मुलाकात की। शाह अब्दुल्लाह ने डा. मनमोहन सिंह को प्रथम आदेश के शाह अब्दुल्लाजिज शाह से नवाजा। प्रधानमंत्री जी ने अपनी यात्रा के दौरान मजलिस अल शुरा तथा काउंसिल ऑफ सऊदी चैंबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री को संबोधित किया। किंग सौद विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री जी को मानद डाक्टोरेट की उपाधि प्रदान की।
17. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री एस जयपाल रेड्डी ने 22 फरवरी, 2011 को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम (आई ई एफ) की असाधारण मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए रियाद का दौरा किया तथा अपने सऊदी समकक्ष अली अल नैमी के साथ चर्चा की।
18. तत्कालीन विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने भारतीय हज समिति के अध्यक्ष श्रीमती मोहसिना किदवई के साथ 26 मार्च, 2011 को जेद्दाह का दौरा किया जिसका उद्देश्य वर्ष 2011 के लिए हज करार पर हस्ताक्षर करना था। श्री कृष्णा ने सऊदी अरब के हज मंत्री फौउद बिन अब्दुलसलाम अल फारसी से मुलाकात की तथा हज कोटा बढ़ाने के लिए कहा।
19. संघीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद ने 25 अक्टूबर, 2011 को क्राउन प्रिंस सुल्तान के निधन पर संवेदना प्रकट करने के लिए रियाद का दौरा किया।
20. गल्फ फोरम-2011 में व्याख्यान देने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री शिवशंकर मेनन ने 4-5 दिसंबर, 2011 को रियाद का दौरा किया तथा अतिरिक्त समय में सऊदी सामान्य असूचना के तत्कालीन प्रमुख प्रिंस मकरिन बिन अब्दुलाजिज के साथ बैठक की।
21. रक्षा मंत्री श्री ए के एंटोनी के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 13-14 फरवरी, 2012 को रियाद का दौरा किया तथा सऊदी अरब के शाह अब्दुल्लाह बिन

अब्दुलाजिज, रक्षा मंत्री प्रिंस सलमान बिन अब्दुल्लाजिज और उप रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सुल्तान के साथ चर्चा की। रक्षा सहयोग पर एक संयुक्त समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया।

22. राज्य सभा के उप सभापति श्री के रहमान खान ने 25-26 फरवरी, 2012 को जी-20 संसद अध्यक्ष परामर्श बैठक में भाग लेने के लिए सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी शौरा परिषद के अध्यक्ष डा. अब्दुल्ला बिन मोहम्मद अल-शेख, किंग फैसल सेंटर के अध्यक्ष प्रिंस तुर्की अल फैसल और सऊदी अरब के जनशक्ति प्रशिक्षण विकास के लिए सहायक उप मंत्री डा. अली कासिम एम अल कहतानी के साथ बैठकें की।
23. 23 से 26 मई, 2012 के दौरान रियाद में 'फ्रेंड्स ऑफ यमन' बैठक में भाग लेने के लिए तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद ने सऊदी अरब का दौरा किया तथा यमन के प्रधानमंत्री मोहम्मद बसिनदावा और विदेश मंत्री डा. अबु बकर अब्दुल्लाह अल किरबी के साथ अतिरिक्त समय में बैठकें की। उन्होंने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस सौद अल फैसल, रक्षा मंत्री प्रिंस सलमान, हज मंत्री डा. बंडार बिन मोहम्मद अल हज्जर के साथ भी अपनी यात्रा के दौरान मुलाकात की।
24. कानून एवं न्याय मंत्री श्री सलमान खुर्शीद के नेतृत्व में एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडन ने क्राउन प्रिंस नईफ बिन अब्दुल्लाजिज अल सौद के निधन पर संवेदना प्रकट करने के लिए 17-18 जून, 2012 को सऊदी अरब का दौरा किया।
25. तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद ने 17 से 20 सितंबर, 2012 के दौरान जेद्दाह का दौरा किया तथा सऊदी अरब के हज मंत्री बंडार बिन मोहम्मद अल हज्जर से मुलाकात की तथा हज से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। श्री ई. अहमद ने 21 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2012 के दौरान हज-2012 सद्भावना शिष्टमंडल का नेतृत्व किया तथा सऊदी अरब के हज मंत्री डा. बंडार बिन मोहम्मद अल हज्जर से 23 अक्टूबर, 2012 को जेद्दाह में मुलाकात की तथा हज से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।
26. सचिव (पूर्व) श्री संजय सिंह के नेतृत्व में एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 23 दिसंबर, 2012 को नौवीं जे सी एम की समीक्षा बैठक के लिए सऊदी अरब का दौरा किया।
27. हज शिष्टमंडल के सदस्यों के साथ तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री (ई ए) श्री ई. अहमद ने 15-16 मार्च, 2013 को सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब के हज मंत्री डा. बंडार बिन मोहम्मद अल हज्जर से जेद्दाह में मुलाकात की। बैठक के दौरान, भारतीय तीर्थयात्रियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई तथा 2013 के लिए हज करार पर हस्ताक्षर भी किया गया।

28. माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद तथा भारत के प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री टी के ए नायर के साथ माननीय प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि ने 27 से 30 अप्रैल, 2013 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब के श्रम मंत्री, विदेश मंत्री एवं उप आंतरिक मंत्री से मुलाकात की।
29. भारत के अटार्नी जनरल श्री गुलाम हुसैन इस्साजी वाहनवती ने 14 से -21 मई, 2013 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब के न्याय मंत्री डा. मोहम्मद बिन अब्दुल करीब अल इसा तथा अन्वेषण एवं सार्वजनिक अभियोजन ब्यूरो के अध्यक्ष श्री शेख मोहम्मद बिन फहद बिन अब्दुल रहमान अल अब्दुल्लाह से रियाद में और सऊदी अरब के आंतरिक मंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन नइफ से जेद्दाह में मुलाकात की।
30. तत्कालीन माननीय विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने 24 से 27 मई, 2013 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा क्राउन प्रिंस सलमान, उप द्वितीय प्रधानमंत्री प्रिंस मकरिन, विदेश मंत्री सौद अल फैसल, आंतरिक मंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन नइफ, श्रम मंत्री महामहिम श्री अब्दुल बिन मोहम्मद फकीह से मुलाकात की।
31. प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय में सचिव श्री राजीव महर्षि ने 3 जुलाई, 2013 को सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब के उप श्रम मंत्री डा. मुफरज अल हकबनी से मुलाकात की।
32. सचिव (पूर्व) श्री अशोक के कांता ने हज व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए सऊदी अरब का दौरा किया तथा 29 अगस्त, 2013 को जेद्दाह में सऊदी अरब के उप विदेश मंत्री प्रिंस अब्दुल्लाजिज बिन अब्दुल्लाह से मुलाकात की।
33. माननीय वित्त मंत्री श्री पी चिदंबरम ने 27-28 जनवरी, 2014 को 10वीं संयुक्त आयोग बैठक के लिए सऊदी अरब का दौरा किया तथा क्राउन प्रिंस सलमान, द्वितीय उप प्रधानमंत्री प्रिंस मकरिन तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री महामहिम डा. तौफिक अल रबिया से मुलाकात की।
34. विदेश राज्य मंत्री ई. अहमद ने हज -2014 करार पर हस्ताक्षर करने के लिए 9-10 फरवरी, 2014 को सऊदी अरब का दौरा किया।
35. तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री श्री ई. अहमद ने 27 से 29 अप्रैल, 2014 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी अरब के हज मंत्री डा. बंडार बिन अल हज्जर से मुलाकात की और भारतीय हज यात्रियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।
36. श्री आरिफ बेग और श्री अब्दुल राशिद ने हज सद्भावना शिष्टमंडल के रूप में 29 सितंबर से 20 अक्टूबर, 2014 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया।
37. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान ने दूसरी

द्विपक्षीय ऊर्जा परामर्श के लिए 27 से 29 अक्टूबर, 2014 के दौरान सऊदी अरब का दौरा किया। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने सऊदी अरब के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री इंजीनियर अली बिन इब्राहिम अल नैमी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की।

38. शाह अब्दुल्लाह के दुखद निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने के लिए 24 जनवरी 2015 को उप राष्ट्रपति के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने सऊदी अरब का दौरा किया जिसमें राज्य मंत्री श्री मोहम्मद मुख्तार अब्बास नकवी, संसद सदस्य श्री गुलाम नबी आजाद, श्री एम जे अबबर तथा अनेक वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।
39. 2015 के लिए हज करार पर हस्ताक्षर करने के लिए विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने फरवरी 2015 में सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी हज मंत्री डा. बंडार हज्जर से मुलाकात की और हज 2015 के लिए करारों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा भी की।
40. विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने अक्टूबर 2015 में सऊदी अरब का दौरा किया तथा सऊदी स्वास्थ्य मंत्री खालिद अल फलिह से मुलाकात की और भारतीय हज यात्रियों, जो मीना में मची भगदड़ में घायल हो गए थे, के कल्याण के बारे में चर्चा की।